# सुखाएल पोखरिक जाइठ

# सुखाएल पोखरिक जाइठ

जगदीश प्रसाद मण्डल



पल्लवी प्रकाशन
बेरमा/निर्मली

**Sukhayal Pokhrik Jaith** (सुखाएल पोखरिक जाइठ)
Anthology of Maithili Songs by Shri Jagdish Prasad Mandal

**ISBN:** 978-93-88811-42-2
**दाम:** 150/- (भा.रु.)

**चारिम संस्करण:** 2023 (पहिल संस्करण: 2013, श्रुति प्रकाशन, दिल्ली)

**प्रकाशक:** पल्लवी प्रकाशन
तुलसी भवन, जे.एल.नेहरू मार्ग, वार्ड नं.: 06, निर्मली
जिला- सुपौल, बिहार: 847452
**मुद्रक:** पल्लवी प्रकाशन (मानव आर्ट)

**वेबसाइट:** http://pallavipublication.blogspot.com
**ई-मेल:** pallavi.publication.nirmali@gmail.com
**मोबाइल:** 6200635563; 9931654742

**फोण्ट सोर्स:** https://fonts.google.com/,
https://github.com/virtualvinodh/aksharamukha-fonts
**आवरण:** श्रीमती पुनम मण्डल, निर्मली (सुपौल), बिहार: 847452
**अक्षर संयोजन:** डॉ. उमेश मण्डल

# अनुक्रमः

# केकरो फूल

केकरो फूल मोँछ बनै छै
तँ केकरो फूल फुलहैर जाइ छै।
फुलैक फूल फुलिया-फलिया
हस-हँसि दुनू दिस बढ़ै छै।
हस-हँसि दुनू दिस बढ़ै छै।
केकरो...।

फड़ैक सरूप पकैड़-पकैड़
मोँछ फूल सजबैत कहै छै।
सीरव-लीरव सिररवार गढ़ि-गढ़ि
फल-फलाफल सरूप धड़ै छै।
फल-फलाफल सरूप धड़ै छै।
केकरो...।

तेतबे नइ यौ भाय साहैब!
केकरो फूल अलोपित भऽ भऽ
सत-सत हाथी ताकि थकै छै।
फूल गजनती गज-गज गजुआ
बाट-बटोही हारि थकै छै।
बाट-बटोही हारि थकै छै।
केकरो...।

जेकर दूध छाल छलही बनि
आनि जम जजमान गढ़ै छै।
बाल-बोध मुँह अमृत बनि
अरोग जीत जिनगी पबै छै।
अरोग जीत जिनगी पबै छै।
केकरो...।



# काज पसैर

काज पसैर अबिते अँगना
लप-लप लक्ष्मी आबए लगै छै।
लछ-लछ लक्ष्मी कुदैक-कुदैक
शर सिर कमल सजबए लगै छै।
शर सिर कमल सजबए लगै छै।
काज पसैर...।

सजि-सजि सजिते सिर श्रृंगार
बाणी वीणा आबए लगै छै।
बाणी तनि भरैन-पुरैन करैत
काशी कमल खिलबए लगै छै।
काशी कमल खिलबए लगै छै।
काज पसैर...।

कुदि-कुदि काज कर करिआ
वृक्ष सरूप सजबए लगै छै।
अशोभ शोभ अलिसाइत अलि
प्रसून रस रसबए लगै छै।
प्रसून रस रसबए लगै छै।
काज पसैर...।

सरसिज कमल सरि-सेरिआ
सागर कमल गढ़ए लगै छै।
सगर पहाड़ पार पे-पेबि
गर गल जोड़ि मिलए लगै छै।
गर गल जोड़ि मिलए लगै छै।
काज पसैर...।



# धार बीच

बलधकेल धकिया-धकिया
धार बीच उगै-डुमै छै।
सुभर जिनगीक कथ कथे की
पतरखेप खेपैत खेपै छै।
पतरखेप खपैत खेपै छै।
धार बीच...।

करिते उग-डूम धार मध
पग-पग पएर पिछड़ए लगै छै।
पात-निपात पतड़-पतड़ा
पतरखेब खेबैत चलै छै।
पतरखेब खेबैत चलै छै।
धार बीच...।

पगेपग पन-पन पंतिया
पंतिया पतिया पन चढ़ै छै।
बलपन खेलपन कुदि कुदैक
पतरखेल खेलैत कहै छै।
पतरखेल खेलैत कहै छै।

जएह जिनगी सएह किरदानी
सभ दिन सभ बाजि कहै छै।

धरम-अधरम कुधरम बूध-रम
पतरहाँसि हँस-हँसैत कहै छै।
पतरहँसि हँस-हँसैत कहै छै।
धार बीच...।



# फेरो हम

मरि-मरि कऽ मरै छी
फेरो हम फर-फर जीबै छी।
फेरो हम फर-फर जीबै छी।

झूठ-फुस एक्कोटा नै
मुँह फोड़ि-फोड़ि कहै छी
करवनो ठोर बर-बरी बनि
दालि सिर चढ़ि-चढ़ि कहै छी
दालि सिर चाढ़ि-चाढ़ि कहै छी।
फेरो हम...।

करवनो रम रमनाक बीच
महाभारत रचि-रचि कहै छै।
दुनूक श्रृगी-श्रृंग चढ़-चढ़ि
दोहरा-दोहरा दहैल कहै छी
फेरो हम जीबै छी
मरि-मरि कऽ मरै छी
फेरो हम...।

रस-रसा रसाएल जेना
रब-रब रभैस कहै छी।

रभसी रभैस रम-रमा
मरा राम मरा कहै छै।
फेरो हम जीबै छी
फेरो हम...।


# रंगिते काजक

रंगिते काजक रंगसँ
रंग जिनगी बदलए लगै छै।
धड़-धरती छोड़िते जेना
नवरंग जिनगी धड़ए लगै छै।
नवरंग जिनगी धड़ए लगै छै।

रूप अरूप सरूप गढ़ि-गढ़ि
रंग रंगि रभसए लगै छै।
मुँह-कान जेहेन-जेहेन
नाओं अपन सिरजए लगै छै।
रंगिते काजक...।

अपना-अपनी गमक-महक
संग रूप सिरजए लगै छै।
गमक गन्हि महक-महैक
धरती-अकास पसरए लगै छै।
धरती-अकास पसरए लगै छै।
रंगिते काजक...।

पता-पती पसैर-पसैर
जिनगीक राग भरमए लगै छै।

अपन-अपन जिनगीक किरदानी
शूर गलगल गबए लगै छै।
शूर गलगल गबए लगै छै।
रंगिते काजक...।



# चोरकट चालि

चोरकट चालि पकैड़-पकैड़
चोरकट चालि चलैत रहै छी
बाल देखि बोली बिलैह
चोरकट समाज गढ़ैत रहै छी।
चोरकट समाज गढ़ैत रहै छी।
चोरकट चालि...।

एक्की-दुक्की गंजक-गंज
चीरक समाज बनबैत रहै छी।
साज सजि सजनी सन्हिया
चढ़ि-चढ़ि सिर सजैत रहै छी
चढ़ि-चढ़ि सिर सजैत रहै छी
चोरकट चालि...।

अड़ैक-मड़ैक धड़ैक जन-जन
सरैक-हरैक धरैत रहै छी
मुसर मूस मुसिया-मुसिया
कट-कट, कटि-कटि कहैत रहै छी।
कट-कट, कटि-कटि कहैत रहै छी।
चोरकट चालि...।

कटनी काटि कात कतिया
आँटी-अगो बनैत कहै छी
आँटी-बोझक आँट जेना
सीली-आगू हँसि-हँसि कहै छी।
सीली-आगू हँसि-हँसि कहै छी।
चोरकट चालि...।



·

# डुमा-डुमी

डुमा-डुमी खेल खेलि
धड़ा-धाम केना टपबै।
अन्हार घर साँपे-साँप
तखन पार केना करबै?
तखन पार केना करबै?

अन्हार डुमि-डुमि डुबैक
हँथोरि हाथ केना पेबै?
के केमहर दहैल भँसिया
बीच अन्हार केना देखबै?
बीच अन्हार केना देखबै?
डुमा-डुमी...।

सघन-समीर अकास ठेकि
नाद-शंख केना चढ़बै?
अकान कान कानि-कूहि
नाग-फाँस केना कटबै।
नाग-फाँस केना कटबै।
डुमा-डुमी...।

डँसिते छाती सू-सुरसुरा
मौगति हथिया धड़बै।

लूल हाथ लुलुआ-लुलुआ
हर-हर, हारि-हारि सुनेबै।
हर-हर, हारि-हारि सुनेबै।
डुमा-डुमी...।


·

# छाती चढ़ि

छाती चढ़ि मुकिया-मुकिया
कान पकैड़ पुछै छै।
संठी बोझ बना-बना
झील-झिलहोरि खेलै छै।
मीत यौ, झील-झिलहोरि...।

अपने ताले ताल पीटि
घैल-छाँछ भरैत कहै छै।
नीरा-पानि निरा-निरा
छछिया-छाँछ धड़ा कहै छै।
मीत यौ,
छछिया-छाँछ धड़ा कहै छै।
छाती चढ़ि...।

छह-छहा छहैल-छहैल
छाँछ-साँच बजैत कहै छै।
छाँछी छाँछ सुरैक-सुरैक
पक-पकौल माटि कहै छै।
मीत यौ,
पक-पकौल माटि कहै छै।
छाती चढ़ि...।

कुम्हारक किरदानी केहेन
कचिया-पकिया मिला गढ़ै छै।
कचिया घोड़ा रमि रेमंत
आउ, टिक, आउ-टिकटिकबै छै।
मीत यौ,
आउ, टिक, आउ-टिकटिकबै छै।
छाती चढ़ि...।



# ससुरामे जा कऽ धीया

ससुरामे जा कऽ धीया
रहिहेँ चीत-चेत कऽ।
सुखि-दुखि बीच विचैड़
चलिहेँ देखि-सुनि कऽ।
चलिहेँ देखि-सुनि कऽ।
चलिहेँ देखि-सुनि कऽ।

सून सुन्न पेब पकैड़
चिन्तन चीत चेत कऽ
सुरता सुरत पेब पकैड़
मरनी-मरम परेख कऽ
मरनी-मरम परेख कऽ
ससुरामे...।

माए-बाप सर-समाजक
लत-लत्ती लतैड़ कऽ
नव घर नव घरनी घेड़
मन-मन बपहर पेब कऽ
मन-मन बपहर पेब कऽ
ससुरामे...।

माए-बाप पीहर जेना
तहिना पीघर पेब कऽ

तहिना ने सरो-समाज
बेटी-पुतोहु बुझि कऽ
बेटी-पुतोहु बुझि कऽ
ससुरामे...।



# जिनगीक ताक

जिनगीक ताक ताकैमे
जिनगीए लगा देलिऐ।
तैयो सबेर पाबैमे
गम-गम जान गमा देलिऐ।
गम-गम जान गमा देलिऐ।
जिनगीए...।

रेहे-रेह राह रहियाबे
राहे-राह सहजन देलिऐ।
तैयो बात-घाट घटि-घटि
घटिया घाट घटैत गेलिऐ।
घटिया घाट घटैत गेलिऐ।
जिनगीए...।

घटि-कुघटि मन सजि साजि
नचार-विचार सुनैत गेलिऐ।
समरथकेँ दुख नाइ गोसाँइ
रतिया राति गबैत गेलिऐ।
रतिया राति गबैत गेलिऐ।
जिनगीए...।

समरथ जिनगीक अवस्था
समरथाइ कहबैत गेलिऐ।
बिनु सामरथे समर्थ बनि
रोग-वियाधि पबैत गेलिऐ।
रोग-वियाधि पबैत गेलिऐ।
जिनगीक ताक... ।
❑

·

# गोर मुँह

गोर मुँह मणि मन मुसुका
बूध जानि बुधजन कहैत एला
बाट-बटोही बटिया पकैड़
बटगमनी स्वर भरैत एला।
बटगमनी स्वर भरैत एला।

देखि देखि, सून-सूना
खीस खीसिया खखसैत एला
सुखा डाहि सुखौत सुख
दुख दुखिया देखबैत गेला।
दुख दुखिया देखबैत गेला।
गोर मुँह...।

रूप पकैड़ सरूप गढ़ि-गढ़ि
सरूप रूप संगैत गेला
पतिया पात पतिया-पतिया
गोंति-गोंति मुँह गोंतैत गेला।
गोंति-गोंति मुँह गोंतैत गेला।
गोर मुँह...।

झोंका-झोंका झुका-झुका
झुकिया-झुकिया झुलैत गेला

मुँह गोरि मन मणि मुसुका
बूध जानि बुधजन कहैत एला।
बूध जानि बुधजन कहैत एला।
गोर मुँह...।



# कतरा आम

कतरा आम की माइन नै?
तँए कि ओ आम नै भेलै।
रूप-रंग गुण सु-सुआद
अंश आम की नै भेलै?
अंश आम की नै भेलै?

पेब गुण जेना आम गुन-गुना
रसिया रस रसाइत गेलै।
तहिना अंशी अंश बनि-बनि
रसिक जन जगजगाइत गेलै।
रसिक जन जगजगाइत गेलै।
कतरा आम... ।

अंश एक कटि बिरीछ जन
संग दोसर धड़ैत गेलै।
अंश-अंशी संगोर छोड़ि
जीव-जगत कहबैत गेलै।
जीव-जगत कहबैत गेलै।
कतरा आम... ।

अंशी अंश जग जन जगा
खेल संसार रचैत गेलै।

कियो खेलाड़ी खेल पकैड़
अंशी-अंश मिलैत गेलै।
अंशी-अंश मिलैत गेलै।
कतरा आम...।



# सुखल पोखरिक

सुखल पोखरिक जाठि जेना
जन-जिनगी सुखाइत गेलै।
एलै-गेलै ससैर ससैर
माने मन भोथाइत गेलै।
माने मन भोथाइत गेलै।

बरखा, रौदी बहि बाढ़ि
बले-बल बलुआइत गेलै।
जलधर धार धेने कहियो
मारि जान मटियाइत गेलै।
मारि जान मटियाइत गेलै।
सुखल पोखरिक... ।

दशानन जहिना कहियो
धारे-धार धड़धड़ाइत गेलै।
धारे-धार जाने जान
संग मीलि जल-जलाइत गेलै।
संग मीलि जल-जलाइत गेलै।
सुखल पोखरिक... ।

गमे-गम कमि कैम कमिया
कामे कम कमियाइत गेलै।

पेटे-पेट पटिया-पटिया
बाते-बात बलुआइत गेलै।
मीत यौ,
बाते-बात बलुआइत गेलै।
सुखल पोखरिक...।
❑

# श्रोता कहि

श्रोता कहि-कहि सुत-सुता
सुरता सुरत रूप बनौलक।
नैन नीन निनिया-निनिया
वाण चालिक बैन धड़ौलक।
वाण चालिक बैन धड़ौलक।

जेहेन बन चलियो तेहेन
वाणि चालि जिनगी पकड़ौलक।
पकैड़ चालि चल चलिया
आंकर पाथर संग सजौलक।
आंकर पाथर संग सजौलक।
श्रोता कहि... ।

आंकर अँकुर पथ पथरा
भूमि निरभूमि भाँज चढ़ौलक।
रौदिया रौद पानि पनिया
जड़िया जड़ि-जड़ि जाड़ जड़ौलक।
जड़िया जड़ि-जड़ि जाड़ जड़ौलक।
श्रोता कहि... ।

काँच माटि कुंभ जहिना
चक चकिया चाक चरहौलक।

तरे-ऊपरे मूठ मुठिया
पत पता पात पतियौलक।
पत पता पात पतियौलक।
श्रोता कहि...।


.

# जड़ि जंजालक

जड़ि जंजालक फेड़मे
टुटि विचार बदलाइत गेल
सुखा-सुखा, अलिसा-अलिसा
माँड़ मारि मरियाइत गेल।
माँड़ मारि मरियाइत गेल।

मारिते माड़ी नैन-बैन
सुरता सरुप झँपाइत गेल।
नीक, की नीक, अध की अधला
फेड़-कनफेड़ फेड़ाइत गेल।
फेड़-कनफेड़ फेड़ाइत गेल।
जड़ि जंजालक... ।

फड़िते कनफेड़ मन बदैल
मुँगबा मारि मराइत गेल।
मने-मने मनुआँ पकैड़
लेऊँच होइत लुटाइत गेल।
लेऊँच होइत लुटाइत गेल।
जड़ि जंजालक... ।

फेड़-फेड़ कनफेड़ पेब
मरमराइत मन मराइत गेल।

नैन विचार कन-कनक मन
फीड़ा-फीड़ा फीड़ाइत गेल।
फीड़ा-फीड़ा फीड़ाइत गेल।
जड़ि जंजालक... ।


## उगिते लाज

उगिते लाज-विचार मनमे
कल-कल विवेक कलियाए लगै छै।
रभैस रंग गुण गण गमैक
धरती-अकास छिछियाए लगै छै।
धरती-अकास छिछियाए लगै छै।

सजि पात पंतियाए-पंतियाए
बिरीछ बाट बटियाए लगै छै।
अन्ना-गाहिंस फूल-फड़ सन
संगोरि संगोर बाचि कहै छै।
संगोरि संगोर बाचि कहै छै।
उगिते लाज...।

जगिते बीज बिचैड़-बिचैड़
दूसन-भूसन साजि सजै छै।
सजैत सेज सहैट-सहैट
बन विवेक बुध बीच बचै छै।
बन विवेक बुध बीच बचै छै।
उगिते लाज...।

पुरुष विहिन नारी जेना
बीधब धरम धारणा धड़ै छै।

बिनु विवेक बुधियो तेना
राँड़ संग मसोमात कहै छै।
राँड़ संग मसोमात कहै छै।
उगिते लाज...।



# ओन्हा चालि

ओन्हा चालि पकैड़-पकैड़
अन्हुआ बात बजैत एलिऐ।
ओन्ह-ओन्ह बीच बिचैड़
ओन्हु-ओन्हु कहैत एलिऐ।
ओन्हु-ओन्हु कहैत एलिऐ।

घाट-बाट ठेकान कोन
धड़-धड़ घर-घर कहैत एलिऐ।
बीन बोल सुनि नाग जेना
छिछैल-छिछैल नचैत एलिऐ।
ओन्हा चालि...।

घाटे-घाट बाटे-बाट
रतिया दिन कहैत एलिऐ।
रीतिया रीत रति रीता
राहगीर राह रहैत एलिऐ।
ओन्हा चालि...।

जे भूमि जोगी जनाबए
भूमि मिथिला कहैत एलिऐ।

भोगी भोग लागि लपटा
निसिचर लंका भखैत एलिऐ।
ओन्हा चालि... ।


·

# गिरैत घर

गिरैत घर जँ निमून गाए
साहस कऽ सुरक्षित निकालि सकिऐ
कदम-कदम उठि उठा कदम
साहस काज अदम कहा सकिऐ।
साहस काज अदम कहा सकिऐ।

अदम काज करै खातिर
अदम साहस जँ बटोरि सकिऐ।
अदम इजोतक अदम रश्मि
अदमा ज्योति जोतिया सकिऐ।
अदमा ज्योति जोतिया सकिऐ।
गिरैत घर...।

अदम ज्योति केर अदम हीर
हीर-हीर धीर धड़िया सकिऐ।
हीर-हीर धीर धड़ि पकैड़
हीर-हीर सीर सेरिया सकिऐ।
हीर-हीर सीर सेरिया सकिऐ।
गिरैत घर...।

हीर-हीर सीर सिर पकैड़
कुदि धार अगम कुदिया सकिऐ।

वेग पकैड़ वेग वाणकेँ
अगम धार बीच बचिया सकिऐ।
अगम धार बीच बचिया सकिऐ।
गिरैत घर...।



# अना गाहिंस

अना-गाहिंस घर खसै छै।
मीत यौ, अना-गाहिंस घर खसै छै।
केतौ बाढ़ि तँ केतौ झाँट
लगि-लगि आगि केतौ खसै छै।
मीत यौ,
लगि-लगि आगि केतौ खसै छै।

बढ़ि बाढ़ि बढ़िया-बढ़िया
धड़-धड़, घर-घर पेबै छै।
पैस सीर-सीरा आगू
मने-मन मोइन फोड़ै छै।
मने-मन मोइन फोड़ै छै।
अना गाहिंस...।

झटिया झाँट पछैड़-पछैड़
सीक आँखि सिकिया खसै छै।
हारल मन मारल बिहाड़ि
खुशिया घर खिसिया खसै छै।
खुशिया घर खिसिया खसै छै।
अना गाहिंस...।

लगि-लगि आगि हब हवा पेब
जने-जन मने मन जरै छै।
आगि पेब अगिया-अगिया
तन-मन धन धाम खसै छै।
तन-मन धन धाम खसै छै।
अना गाहिंस...।


# सुखल पोखरिक

सुखल पोखरिक माइट जेना
गुन-गुना धड़-धड़ा कहै छै।
जल-जलाइत पट-पटाइत
अलप राग अलापि कहै छै।
अलप राग अलापि कहै छै।

केतबो रौद-बसात औत
कहियो किछु ने कहि सकै छै।
मुदा, माटि मटिया, मटिया
डाहि रौद रदिया कहै छै।
डाहि रौद रदिया कहै छै।
सुखल पोखरिक...।

मेट गेल सरवर-सुरसैर
हारि मानि हरिआ कहै छै।
कंचन हरिअर पानि कहाँ
घास-फूस फुसिया कहै छै।
घास-फूस फुसिया कहै छै।
सुखल पोखरिक...।

समुद्र जल अन-धन धरती
संग मिलि बतियाइत कहै छै।

भव-भूम समुद्र भव पैस
भवसागर असनान कहै छै।
भवसागर असनान कहै छै।
सुखल पोखरिक...।



# लत्ती जेना

लत्ती जेना पानि पकैड़
ठाढ़ गाछ कहबैत कहै छै।
जल कमल ठरकमल कहि-कहि
थलकमल रूप रूपैत रहै छै।
थलकमल रूप रूपैत रहै छै।

नाड़ पकैड़ कमल जहिना
असुअन आँखि धड़ैत एलैए।
असिया आस लागि लगा
बाइन लाज धड़बैत एलैए।
बाइन लाज धड़बैत एलैए।
लत्ती जेना...।

बाजि-बाजि बीज बनि बना
बोनझार छीटि छिटैत एलैए।
लाजबन्त लजबिजी कहि
फूल काँट सिरजैत एलैए।
फूल काँट सिरजैत एलैए।
लत्ती जेना...।

लत्ती आकि गाछ बिरीछ
फड़-फड़ फड़ियाइत एलैए।

कोनो गाछ फल बनि फूल
कोनो घौंदे घौंदियाइत एलैए।
कोनो घौंदे घौंदियाइत एलैए।
लत्ती जेना...।


# पानि-माटि

पानि-माटि ताबे नै पुछै
जाबे माटि सुखल रहै छै।
पबिते रस रसिक रसिया
संगी संग सिरजए लगै छै।
संगी संग सिरजए लगै छै।
पानि माटि...।

मील दुनू संकल्प ठानि
पौध पेड़ लगबए लगै छै।
सटि छाती छतिया-छतिया
सिरजन सीस देखए लगै छै।
सिरजन सीस देखए लगै छै।
पानि माटि...।

कोनो सीस अकास चढ़ि
कोनो धरती धड़ए लगै छै।
जोजन आठ हटलो रहने
हीर-हीर सटबए लगै छै।
हीर-हीर सटबए लगै छै।
पानि माटि...।

पेब प्रेम प्रेमी पकैड़
धरती-अकास बरिसए लगै छै।

धारी धरती पकैड़-पकैड़
भूमि मातृ कहबए लगै छै।
भूमि मातृ कहबए लगै छै।
पानि माटि...।


# गोहि बनि

गोहि बनि गोरिया गेलौं
मीत यौ, बनि गोहि गोरिया गेलौं

उतैर गेल सभ पानि देहक
पानियेँ-पानि गोरिया गेलौं।
तीनकोनमा मुँह बनि-बना
खोलैये बेर हेरा गेलौं।
खोलैये बेर हरा गेलौं।
गोहि बनि...।

पेबिते खाधि मन मनिया
खधे-खाधि मोनिया गेलौं
पनिया पग पकैड़-पकैड़
पनिया गोहि कहबए लगलौं।
पनिया गोहि कहबए लगलौं।
गोहि...।

माटि गोहि मोहि मोहिया
मोहिये मोहि मोहिया गेलौं
दालिये संग पातो महा

कुट्टी-कुट्टी कटा गेलौं।
कुट्टी-कुट्टी कटा गेलौं।
मोहि बनि...।

तँए शिकारी सिकैड़ छोड़ि
पानि पैसि पखिना पकड़लौं
पानि बीच पनिया-पनिया
अकास हवा बहैत देखलौं।
अकास हवा बहैत देखलौं।
गोहि बनि...।


# जेहेन जे

जेहेन जे मौसम अबैत
सएह ने प्रकृत पकड़ै छै।
कोनो हरिअर कचोर करि
तँ कोनो झड़पात बनबै छै।
तँ कोनो झड़पात बनबै छै।
जेहेन जे... ।

जेहेन जे प्रकृत अरैज
तेहने ने मनुखतो पबै छै।
समय पाबि जहिना कलशै
तहिना उजैहियो-उपैट जाइ छै।
तहिना उजैहियो-उपैट जाइ छै।
जेहेन जे... ।

एक प्रकृत दुनियाँ रचबे
दोसर निरमान मनुख करै छै।
जेहेन जे संगी प्रकृति
तेहने जशो-सुजश पबै छै।
तेहने जशो-सुजश पबै छै।
जेहेन जे... ।

कननी-मननी आबि-आबि
कननी जड़ि कोरए लगै छै।
जड़ि-जाड़ उतरिते उतैर
बिमल मन बिलमैत कहै छै।
बिमल मन बिलमैत कहै छै।
जेहेन जे...।


## चेत चेता

होरी होड़ हूड़-हूड़ा
चेत चेता गाबए लगै छै।
जाड़क जड़ाएल वसन्त
उमैस भाव पाबए लगै छै।
उमैस भाव पाबए लगै छै।
चेत चेता...।

अन्हर-बिहाड़ि पग पकैड़
गछिया गाछ गछाड़ए लगै छै।
सुख सुखा संग सुखाएल
टूक तोड़ि खसबए लगै छै।
टूक तोड़ि खसबए लगै छै।
चेत चेता...।

पबिते भाव चेत वसन्त
बड़ चेता गाबए लगै छै।
चौमासा, छौमासा संग
बारहो मास गाबए लगै छै।
बरहमासा गाबए लगै छै।
चेत चेता...।

फगुआ रंग रंगि-रंगि
आल-गुलाल उड़बए लगै छै।
डम्फा-ढोल बाजा बजा
गीत जोगिरा गाबए लगै छै।
गीत जोगिरा गाबए लगै छै।
चेत चेता...।



# अन्हर जाल

अन्हर जाल अन्हरजाली बनि
घाट अन्हार पसरए लगै छै।
अन्हरोखे जल जाल पसैर
अन्हेर अन्है करए लगै छै।
अन्हेर अन्है करए लगै छै।
अन्हर जाल... ।

लोभी लोभ लोभ कौरवनो
दोहरा-तेहरा चाप चपै छै।
उगिते लुत्ती लपैक-लपैक
बीच धरती रगड़ए लगै छै।
धरती बीच रगड़ए लगै छै।
अन्हर जाल... ।

अनहा-कनहा कहि कहा-सूना
राति-दीन सुनबैत रहै छै।
ने पनिया माछ ने भूधर
उला-पका चीबबैत रहै छै।
उला-पका चीबबैत रहै छै।
घाट अन्हार... ।

सभ दिन एलहे कहै छै।
सभ दिन गेलहे कहै छै।
सब दीन भेलहे कहै छै।
लेलहा-देलहा कण्ठ मोकि
बेथा-कथा सुनबैत रहै छै।
बेथा-कथा सुनबैत रहै छै।
अन्हर जाल...।



# डायरीक

डायरीक जरूरी ओकरा
अनधुन जिनगी जेकर।
बान्हल खुट्टा गाए जेना
कि करत डायरी तेकर।
कि करत डायरी तेकर।
डायरीक...।

डायरीक तँ एक्के उदेस
तिथि-मिति तारीक तेकर
पल-मिनट सेकेण्ड तेकरा
घट-घट घटना जेकर।
घट-घट घटना जेकर।
डायरीक...।

पल पलिया पलि पला
सालक साल औरुदा जेकर।
मानि गेलौं बीस बरिस
समय-साल ससरत तेकर।
समय-साल ससरत तेकर।
डायरीक...।

घर-घर घण्टी बान्हि-बान्हि
घट-घट घण्टी तेकर।
घाँटी-घण्टी घटि घटैन
औरुदा पाबै तेकर।
औरुदा पाबै तेकर।
डायरीक...।


# बरहबटू

बरहबटू समाज बनि-बनि
बटू बरह समाज बनल छै।
ने बाट ने ठेकान लोक
बेठेकान समाज बनल छै।
बेठेकान समाज बनल छै।
बरहबटू... ।

बिन ठेकानल बाट जेना
थहि-थहि थाहि-थाहि चलै छै।
तहिना ने समाजो समैत
गुरकुनियाँ मारि चलै छै।
गुरकुनियाँ मारि चलै छै।
बरहबटू... ।

रेहे-रेह बोली वाणिक
मौला मन मरि-मरि मरै छै।
समय पाबि जहिना पतफूल
हहैर-हहैर हीर छोड़ै छै।
हहैर-हहैर हीर छोड़ै छै।
बरहबटू... ।

मने नहि तँ बाइन बोल की
मन-मरदन मरदैत रहै छै।
जहिना बरहबटू समाज समैत
तहिना समाजो समवैत रहै छै।
तहिना समाजो समवैत रहै छै।
बरहबटू...।


# चोटी छुबए

चोटी छुबै जखन चट-चटिया
चटिया चाट चटैत रहै छै।
जिनगानीक रंग रभससँ
सुर जिन्दादिली भरैत रहै छै।
सुर जिन्दादिली भरैत रहै छै।
चोटी छुबए...।

बून-बून अकास बनि-बनि
धड़-धरती छुबैत रहै छै।
चूह चुहैट साटि सटि छाती
दूध-फूल बनबए लगै छै।
दूध-फूल बनबए लगै छै।
चोटी छुबए...।

करम-धरम खेल सिर सिरैज
नचनी नाच नचैत रहै छै।
बाट-बटोही पकैड़-पकैड़
मूंगबा मुँह बिलहैत रहै छै।
मूंगबा मुँह बिलहैत रहै छै।
चोटी छुबए...।

मुँह जरवने मूंगबा पड़तै
मधु मन मधुराइत रहै छै।
पाबि-पाँखि माछी पकैड़
रस मधु बिलहए लगै छै।
रस मधु बिलहए लगै छै।
चोटी छुबए...।


# खेल-खेलाड़ी

खेल खेलाड़ी खेल ठानि
कबडी दौड़ दौड़ैत एलैए।
सीमा बान्हि भौक भौकिया
छुबि-छुबि छुतबैत एलैए।
छुबि-छुबि छुतबैत एलैए।
खेल-खेलाड़ी... ।

नमगर-चौड़गर परती पराँत
नमहर डेग डेगैत एलैए।
आम छी, जाम छी, करिया लताम छी
साँस छोड़ि रेड़ैत एलैए।
साँस छोड़ि रेड़ैत एलैए।
खेल-खेलाड़ी... ।

एक साँस चेत कबड्डी
चीका-दरबर करैत एलैए।
भौक बनि भोकिया-भोकिया
छुबि-छुबि छुतबैत एलैए।
छुबि-छुबि छुतबैत एलैए।
खेल-खेलाड़ी... ।

धरती खुनि-खुनि मुदा एहनो
अखड़ाहा बनबैत एलैए।
माटि संग हाथ मिल-मिला
वीर भूमि सिरजैत एलैए।
वीर भूमि सिरजैत एलैए।
खेल-खेलाड़ी...।



# ककोड़बा

ककोड़बा बिआन ककोड़बे खाइ छै।
मीत यौ,
ककोड़बा बिआन ककोड़बे खाइ छै।

बिनु सिर-पएर सजि-सजि
चुट्टा-चांगुर चुहुटए लगै छै।
अपने सिरजल-जल्ला-झल्ला
खद-खुद डिरिआए लगै छै।
खद-खुद डिरिआए लगै छै।
ककोड़बा...।

खखैर-खखोड़ि खखरी बनि
दन-दनाइत कहैत रहै छै।
माटि-पानि सभ हमरे-हमरे
कुम्हरा ढेर बनबैत रहै छै।
मीत यौ, कुम्हरा ढेर बनबैत रहै छै।
ककोड़बा...।

जेर निकैल जड़िया-जेड़िया
पाछू पेट छिछियाए लगै छै।

केतए जाएब केतए जाइ छी
ठेकानो कहाँ रहि पाबै छै।
ककोड़बा जिनगी पेब-पेब
अपने-अपने खाइत एलैए।
मीत यौ, अपने-अपने खाइत एलैए।



# सोर बनि

सोर बनि सन्हिया सान्हि
सिर चालि चलए लगै छै।
सिर-सिरा सिरसिरा चुहैट
बत-बता बतबए लगै छै।
बत-बता बतबए लगै छै।
सोर बनि...।

फुलहैर फूल फड़ फलहैर
बड़गद बिरीछ बनए लगै छै।
कट्ठा कहि नट्ठा बनि बना
सघन-घन बन धड़ए लगै छै।
घन सघन बन धड़ए लगै छै।
सोर बनि...।

पकैड़ मूस मुँह मुसका
शील-सिनेह सिरजए लगै छै।
पकैड़ पूछ पुछड़ी पकैड़
घाट-घट घटियबए लगै छै।
घाट-घट घटियबए लगै छै।
सोर बनि...।

कूट चित्र घट-घट घटा
पौरुष-पुरुष गढ़ै लगै छै।
कूट कुटि कूटि पीस केर
सिर शिखरणी गढ़ए लगै छै।
सिर शिखरणी गढ़ए लगै छै।
सोर बनि...।



# सेज-सिंगार

सेज सिंगार सजि साजि-साजि
साध सत् धड़ए लगै छै।
दूर-दूर दुरगम दृग दृश्य
सोलह सोर करए लगै छै।
सोरह सोर करए लगै छै।
सेज-सिंगार...।

बनिते दहाइ एकाइ बदैल
सजि फूल सिंगार धड़ै छै।
बाल-भाल लीख-लीख लखा
धार जिनगी कुदए लगै छै।
जिनगी धार बहए लगै छै।
जिनगी धार बहए लगै छै।
सेज-सिंगार...।

सोर पकैड़ शोर सोर शोर
सोड़ह सोरहा करए लगै छै।
जिनगीक टपान टपिते टपैत
दोहरी सेज सजए लगै छै।
दोहरी सेज सजए लगै छै।
सेज-सिंगार...।

बदला-बदली करए धन-धेनु
धाम-काम कहबए लगै छै।
मिथि मालिन मन मलि-मलि
मिथिलांगना कहबए लगै छै।
मिथिलांगना कहबए लगै छै।
सेज-सिंगार...।


# जएह लूरि

जएह लूरि-बुधि मन पकड़ए
तेहने टा जिनगी भाय यौ।
नगर नजैर निहारि-निहारि
अराधि राखि जिनगी भाय यौ।
अराधि राखि जिनगी भाय यौ।
जएह लूरि...।

लूरि-बुधि गरजोड़ बनि-बनि
गरदनि-खूटा मिलैत रहै छै।
एक रक्षक एक भक्षक बनि
अमृत रस भरैत रहै छै।
अमृत रस भरैत रहै छै।

रंग-रंग फूल माला मालिन
मुसैक मुँह कली कलिआइ छै।
मालिन माला गढ़ि-मढ़ि
छत माली छतिया सजै छै।
छत माली छतिया सजै छै।
जएह लूरि...।



## जोति हर

जोति हर हरबाह हकैर
जिनगीक गीत गबै छै।
ले-ऊँच, ऊँच ले बनि वन
चोटी-ढाल बनबै छै।
मीत यौ, चोटी-ढाल बनबै छै।
जोति हर...।

बून पपीह स्वाती पकैड़
रस अमृत भरैत चलै छै।
कृत्ति-वृत्त परकृति पकैड़
तरे-ऊपरे सिर सजै छै।
मीत यौ, तरे-ऊपरे सिर सजै छै।
जोति हर...।

लत्ती बनि लतैर-पसैर
लतमरदन करैत रहै छै।
चोटी जल टघैर-टघैर
खून पसीना एक करै छै।
मीत यौ, खून पसीना एक करै छै।
जोति हर...।

ओहए पानि टघैर-टघैर
झील-सरोवर सेहो सजै छै।
बाल-भाल कुशक कलेप
मरू स्थल गढ़ैत रहै छै।
मीत यौ, मरू स्थल गढ़ैत रहै छै।
जोति हर...।


## हर हलक

हर हलक हलन्तमे मीर-दोल तेहल बनै छै।
पुर-पुष्कर पुरस्सर बाट-घाट घटबी चलै छै।
बाट-घाट घटबी चलै छै। हल-हलक...।
एक-दू-तीन चारि रहितो
गति इंजीन गाड़ी धड़ै छै।
बेहिसाब-हिसाब बनि बनि
धड़ि धड़ैक धड़ैत रहै छै।
धड़ि धड़ैक धड़ैत रहै छै।
हर हलक...।
लंक-अयोधिया सटि-हटि
संगी-संग चलैत रहै छै।
निरैख परैख बाट-बटोही
फल करनी भोगैत रहै छै।
फल करनी भोगैत रहै छै।
हर हलक...।



# ‘पंगु’ उपन्यासक बाद जगदीश प्रसाद मण्डलजीक गद्य लेखन:

पंगु- (उपन्यास) लेखन तिथि: 11 मई 2018 सँ 6 जून 2018

749. ठका गेलौं- शब्द संख्या: 2052, तिथि: 18 जून 2018

750. हारि-जीत- शब्द संख्या: 3190, तिथि: 24 जून 2018

751. पनचैती पनपना गेल- शब्द संख्या: 1095, तिथि: 27 जून 2018

752. कुघाटक मृत्यु- शब्द संख्या: 1608, तिथि: 01 जुलाई 2018

753. एक तम्मा सिदहा- शब्द संख्या: 2014, तिथि: 5 जुलाई 2018

754. कियो ने पुछैए- शब्द संख्या: 1584, तिथि: 9 जुलाई 2018

755. केकरो कियो ने- शब्द संख्या: 718, तिथि: 11 जुलाई 2018

756. गपक पियाहुल लोक- शब्द संख्या: 1420, तिथि: 13 जुलाई 2018

757. उदय-प्रलय- शब्द संख्या: 1574, तिथि: 15 जुलाई 2018

758. हमरा नीक नहि लगैए- शब्द संख्या: 1458, तिथि: 19 जुलाई 2018

759. भारीपन भार बनि गेल- शब्द संख्या: 1471, तिथि: 21 जुलाई 2018

760. मानसरोवरक यात्रा- शब्द संख्या: 2576, तिथि: 31 जुलाई 2018

761. करतब- शब्द संख्या: 2132, तिथि: 04 अगस्त 2018

762. आमक गाछी- एक : शब्द संख्या: 3068, तिथि: 10 अगस्त 2018

763. आमक गाछी- दू : शब्द संख्या: 3553, तिथि: 17 अगस्त 2018

764. आमक गाछी- तीन : शब्द संख्या: 2484, तिथि: 22 अगस्त 2018

765. आमक गाछी- चारि : शब्द संख्या: 2291, तिथि: 28 अगस्त 2018

766. आमक गाछी- पाँच : शब्द संख्या: 2185, तिथि: 02 सितम्बर 2018

767. आमक गाछी- छह : शब्द संख्या: 4701, चोरा चान 12 सितम्बर 2018

768. आमक गाछी- सात : शब्द संख्या: 1805, तिथि: 15 सितम्बर 2018

769. अनचोकक अन्हार- शब्द संख्या: 924, तिथि: 19 सितम्बर 2018

770. आमक गाछी, आठ- शब्द संख्या: 1917, तिथि: 25 सितम्बर 2018

771. अपन बुधियारी अपने खेलक- शब्द संख्या: 1897, ति.: 23 सितम्बर 2018

772. आमक गाछी, नअ- शब्द संख्या: 1914, तिथि: 30 सितम्बर 2018

773. चटवाह- शब्द संख्या- 2134, तिथि: 4 अक्टूबर 2018

774. भगैतिया- शब्द संख्या: 2177, तिथि: 8 अक्टूबर 2018

775. अधमरू साँपक फुफकार- शब्द संख्या: 2196, तिथि: 12 अक्टूबर 2018

776. यादास्त- शब्द संख्या: 1870, तिथि: 15 अक्टूबर 2018

777. हमर मेला चोरि भऽ गेल- शब्द संख्या: 2062, तिथि: 19 अक्टूबर 2018

778. गरदैन हलैल गेल- शब्द संख्या: 1922, तिथि: 23 अक्टूबर 2018

779. दिवालीक दीप- शब्द संख्या: 2422, तिथि: 29 अक्टूबर 2018

780. हारि केना मानब- शब्द संख्या: 2054, तिथि: 02 नवम्बर 2018

781. अप्पन गाम- शब्द संख्या: 1940, तिथि: 06 नवम्बर 2018

782. परिछन- शब्द संख्या: 2661, तिथि: 11 नवम्बर 2018

783. झूठ सपना- शब्द संख्या: 2062, तिथि: 15 नवम्बर 2018

784. जिनगीक अन्तिम फल- शब्द संख्या: 2530, तिथि: 19 नवम्बर 2018

785. चरणबाबूक टैक्सी- शब्द संख्या: 2381, तिथि: 24 नवम्बर 2018

786. पुस्तकालय- शब्द संख्या: 2333, तिथि: 29 नवम्बर 2018

787. विचारभेद- शब्द संख्या: 2553, तिथि: 04 दिसम्बर 2018

788. एकरवा बानर- शब्द संख्या: 2793, तिथि: 09 दिसम्बर 2018

789. फकीरबा स्थान- शब्द संख्या: 2759, तिथि: 14 दिसम्बर 2018

790. रंगमे भंग- शब्द संख्या: 2237, तिथि: 20 दिसम्बर 2018

791. खिलतोड़ भूमि- शब्द संख्या: 2590, तिथि: 17 जनवरी 2019

792. बैगनक बगान बनरा गेल, तूँ मुँह तकै छह- श. 2590, ति. 22 जनवरी 2019

793. मटरक अजोह दाना- शब्द संख्या: 3473, तिथि: 03 फरवरी 2019

---

794. फुइसिक रग्गड़- शब्द संख्या: 2225, तिथि: 07 फरवरी 2019

795. उखमज- शब्द संख्या: 3964, तिथि: 16 फरवरी 2019

796. एकभग्गू बेटा- शब्द संख्या: 2286, तिथि: 19 फरवरी 2019

797. अगुताइ भेल- शब्द संख्या: 1054, तिथि: 22 फरवरी 2019

798. थैंक्यू पापा- शब्द संख्या: 965, तिथि: 24 फरवरी 2019

799. किसुनपुराक हाट- शब्द संख्या: 995, तिथि: 25 फरवरी 2019

800. धनखेतीक बैगन- शब्द संख्या: 1051, तिथि: 28 फरवरी 2019

801. चितवनक शिकार- शब्द संख्या: 1071, तिथि: 02 मार्च 2019

802. बुढ़ भेलौं तँ दुइर गेलौं- शब्द संख्या: 1086, तिथि: 04 मार्च 2019

803. धुआ साड़ी- शब्द संख्या: 1132, तिथि: 06 मार्च 2019

804. राजरोग- शब्द संख्या: 1274, तिथि: 10 मार्च 2019

805. संकल्प- शब्द संख्या: 1520, तिथि: 12 मार्च 2019

806. एकटा नमहर दुख मेटा गेल- शब्द संख्या: 1349, तिथि: 15 मार्च 2019

807. काजक मोल- शब्द संख्या: 1090, तिथि: 16 मार्च 2019

808. एतए बसव कठिन अछि- शब्द संख्या: 1010, तिथि: 19 मार्च 2019

809. स्वनिर्मित जिनगी- शब्द संख्या: 1091, तिथि: 22 मार्च 2019

810. कपटलालक मृत्यु- शब्द संख्या: 987, तिथि: 25 मार्च 2019

811. गामक ढहल समाज- शब्द संख्या: 966, तिथि: 27 मार्च 2019

812. लजगर लोक- शब्द संख्या: 1003, तिथि: 29 मार्च 2019

813. खरिहाँन उपैट गेल- शब्द संख्या: 1218, तिथि: 02 अप्रैल 2019

814. पगलपन- शब्द संख्या: 1113, तिथि: 04 अप्रैल 2019

815. छलाननक सराध- शब्द संख्या: 996, तिथि: 06 अप्रैल 2019

816. छाती बज्जर केलौं- शब्द संख्या: 1402, तिथि: 08 अप्रैल 2019

817. नाँहकमे दोख- शब्द संख्या: 1463, तिथि: 16 अप्रैल 2019

818. सग्गा पिऔज- शब्द संख्या: 1530, तिथि: 20 अप्रैल 2019

819. गाछसँ नमहर फड़- शब्द संख्या: 1003, तिथि: 22 अप्रैल 2019

820. जिनगीमे जान आएल- शब्द संख्या: 1198, तिथि: 25 अप्रैल 2019
821. जे संग नइ औत ओकरा संग नइ जेबै- श.सं.: 1080, ति.: 26 अप्रैल 2019
822. चौरस खेतक चौरस उपज- शब्द संख्या: 998, तिथि: 29 अप्रैल 2019
823. सिकिया नेता- शब्द संख्या: 1023, तिथि: मजदूर दिवस, 2019
824. मुँह खुजिते नाक कटि गेल- शब्द संख्या: 1475, तिथि: 04 मई 2019
825. जेकरे भर तेकरे डर- शब्द संख्या: 1214, तिथि: 06 मई 2019
826. ललियाएल चेहरा करियाएल मन- शब्द संख्या: 1194, तिथि: 09 मई 2019
827. पुरुखक भर- शब्द संख्या: 1109, तिथि: 12 मई 2019
828. भकमोड़मे पड़ि गेलौं- शब्द संख्या: 1411, तिथि: 15 मई 2019
829. अपन इमान मरि गेल- शब्द संख्या: 1071, तिथि: 17 मई 2019
830. गामक रूप बदैल देब- शब्द संख्या: 1004, तिथि: 19 मई 2019
831. कुभेला- शब्द संख्या: 992, तिथि: 21 मई 2019
832. देखौंस- शब्द संख्या: 945, तिथि: 23 मई 2019
833. समयसँ पहिने चेत किसान- शब्द संख्या: 1326, तिथि: 25 मई 2019
834. काजक मेहपन- शब्द संख्या: 947, तिथि: 27 मई 2019
835. पनरह किलोक कदीमा- शब्द संख्या: 941, तिथि: 29 मई 2019
836. फेर नढ़रो बेल तर जेती- शब्द संख्या: 1553, तिथि: 01 जून 2019
837. काजक धुनि- शब्द संख्या: 1065, तिथि: 03 जून 2019
838. सोरहामे सुर्रा लगि गेल- शब्द संख्या: 1618, तिथि: 06 जून 2019
839. अगराही- शब्द संख्या: 944, तिथि: 08 जून 2019
840. जेकरे-ले चोरि केलौं सएह कहैए चोरा- श.सं.: 1556, तिथि: 11 जून 2019
841. भौक- शब्द संख्या: 1403, तिथि: 14 जून 2019
842. मनतरक पावर- शब्द संख्या: 1598, तिथि: 17 जून 2019
843. हाल-चाल- शब्द संख्या: 1519, तिथि: 20 जून 2019
844. अधमरु साँपक डँस- शब्द संख्या: 1525, तिथि: 23 जून 2019
845. के मानत?- शब्द संख्या: 1721, तिथि: 29 जून 2019

---

846. दियादीक फेड़- शब्द संख्या: 1412, तिथि: 03 जुलाई 2019

847. वाह रे आदत- शब्द संख्या: 1455, तिथि: 06 जुलाई 2019

848. कटबी सुइद- शब्द संख्या: 1435, तिथि: 09 जुलाई 2019

849. तिलकौआ छत्ता- शब्द संख्या: 1948, तिथि: 13 जुलाई 2019

850. अपने जिनगी भार बनि गेल- शब्द संख्या: 1539, तिथि: 16 जुलाई 2019

851. कलेश- शब्द संख्या: 1509, तिथि: 20 जुलाई 2019

852. गामक आशा टुटि गेल- शब्द संख्या: 2338, तिथि: 24 जुलाई 2019

853. आब इज्जत नइ बँचत- शब्द संख्या: 2046, तिथि: 28 जुलाई 2019

854. अँगनाक बीरार- शब्द संख्या: 1856, तिथि: 31 जुलाई 2019

855. भेँट-घाँट- शब्द संख्या: 1884, तिथि: 03 अगस्त 2019

856. कोसा- शब्द संख्या: 1999, तिथि: 07 अगस्त 2019

857. दहेजक गाए- शब्द संख्या: 2076, तिथि: 15 अगस्त 2019

858. चलती- शब्द संख्या: 1770, तिथि: 18 अगस्त 2019

859. तीन बुड़िवान- शब्द संख्या: 1901, तिथि: 21 अगस्त 2019

860. एकाधिकारी जाति- शब्द संख्या: 2198, तिथि: 24 अगस्त 2019

861. अपन करखन्ना- शब्द संख्या: 1704, तिथि: 28 अगस्त 2019

862. लड़कपन- शब्द संख्या: 2150, तिथि: 03 अक्टूबर 2019

863. कुदृष्टि- शब्द संख्या: 2435, तिथि: 08 अक्टूबर 2019

864. हकार- शब्द संख्या: 2012, तिथि: 16 अक्टूबर 2019

865. दलखिच्चड़मे घी- शब्द संख्या: 2286, तिथि: 25 अक्टूबर 2019

866. दोहरी दहार- शब्द संख्या: 2154, तिथि: 02 नवम्बर 2019

867. पसेनाक मोल- शब्द संख्या: 1748, तिथि: 06 नवम्बर 2019

868. बुढ़ापा- शब्द संख्या: 2122, तिथि: 10 नवम्बर 2019

869. पुरना घराड़ी- शब्द संख्या: 2092, तिथि: 14 नवम्बर 2019

870. जगरनथिया भोज- शब्द संख्या: 2416, तिथि: 18 नवम्बर 2019

871. कृषियोग- शब्द संख्या- शब्द संख्या: 2010, तिथि: 22 नवम्बर 2019

872. काजक रोप- शब्द संख्या: 2679, तिथि: 21 दिसम्बर 2019

873. खटसमाद- शब्द संख्या: 2909, तिथि: 27 दिसम्बर 2019

874. जीबठपन- शब्द संख्या: 2577, तिथि: 02 जनवरी 2020

875. गोटी लाल- शब्द संख्या: 2364, तिथि: 06 जनवरी 2020

876. अपनाकेँ चिन्हैत चलिहह- शब्द संख्या: 2361, तिथि: 11 जनवरी 2020

877. दहेज- शब्द संख्या: 2431, तिथि: 15 जनवरी 2020

878. जेहेन मति तेहेन गति- शब्द संख्या: 2630, तिथि: 21 जनवरी 2020

879. केते लग केते दूर- शब्द संख्या: 2660, तिथि: 31 जनवरी 2020

880. अपन कर्तव्य आकि उपकार- शब्द संख्या: 2410, तिथि: 05 फरवरी 2020

881. जिनगी भौर भेलह हेन- शब्द संख्या: 2789, तिथि: 10 फरवरी 2020

882. वसन्त पंचमी- शब्द संख्या: 2767, तिथि: 16 फरवरी 2020

883. चुटका सुतरल- शब्द संख्या: 2445, तिथि: 21 फरवरी 2020

884. हारल चेहरा जीतल रूप- शब्द संख्या: 2255, तिथि: 25 फरवरी 2020

885. अग्नि परीछा- शब्द संख्या: 3097, तिथि: 01 मार्च 2020

886. आसीरवचन- शब्द संख्या: 2564, तिथि: 06 मार्च 2020

887. दहिबरी- शब्द संख्या: 2560, तिथि: 12 मार्च 2020

888. सघन बन- शब्द संख्या: 2697, तिथि: 17 मार्च 2020

889. हुसैत लोक- शब्द संख्या: 2602, तिथि: 23 मार्च 2020

890. हुसि गेलौं- शब्द संख्या: 2574, तिथि: 28 मार्च 2020

891. झूठक झालि- शब्द संख्या: 2352, तिथि: 01 अप्रैल 2020

892. दुष्टपन- शब्द संख्या: 2317, तिथि: 06 अप्रैल 2020

893. रहै जोकर परिवार- शब्द संख्या: 2297, तिथि: 15 अप्रैल 2020

894. परिपक्व निरलज- शब्द संख्या: 2232, तिथि: 20 अप्रैल 2020

895. अप्पन काज अपने चिन्हू- शब्द संख्या: 2278, तिथि: 24 अप्रैल 2020

896. लजाउ काज- शब्द संख्या: 2394, तिथि: 02 मई 2020

897. सुचिता- एक : शब्द संख्या: 4352, तिथि: 30 मई 2020

---

898. सुचिता- दू : शब्द संख्या: 4459, तिथि: 08 जून 2020

899. सुचिता- तीन : शब्द संख्या: 4672, तिथि: 15 जून 2020

900. सुचिता- चारि : शब्द संख्या: 4022, तिथि: 02 जुलाई 2020

901. सुचिता- पाँच : शब्द संख्या: 2757, तिथि: 08 जुलाई 2020

902. सुचिता- छह : शब्द संख्या: 3188, तिथि: 14 जुलाई 2020

903. सुचिता- सात : शब्द संख्या: 4483, तिथि: 24 जुलाई 2020

904. सीमावद्ध जीवन- शब्द संख्या: 2420, तिथि: 01 अगस्त 2020

905. कर्ताक रंग कर्मक संग- शब्द संख्या: 2757, तिथि: 06 अगस्त 2020

906. जिनगीक हिसाब- शब्द संख्या: 2711, तिथि: 11 अगस्त 2020

907. अपना जनैत- शब्द संख्या: 2881, तिथि: 16 अगस्त 2020

908. सुदृढ़ जिनगी- शब्द संख्या: 3460, तिथि: 23 अगस्त 2020

908. मुराम जगह- शब्द संख्या: 3575, तिथि: 31 अगस्त 2020

909. गामक सूरत बदैल गेल : शब्द संख्या: 3340, तिथि: 07 सितम्बर 2020

910. दोसर रस्ता नहि- शब्द संख्या: 2808, तिथि: 13 सितम्बर 2020

911. विचारधाराक भथान- शब्द संख्या: 2659, तिथि: 19 सितम्बर 2020

912. परिवार बिलैट गेल- शब्द संख्या: 3132, तिथि: 26 सितम्बर 2020

913. अनचोकक इजोत- शब्द संख्या: 3339, तिथि: 03 अक्टूबर 2020

914. केलहा सभ पानिमे गेल- शब्द संख्या: 3199, तिथि: 09 अक्टूबर 2020

915. पएर तरक धरती डोलि गेल- शब्द संख्या: 2346, तिथि: 15 अक्टूबर 2020

916. जबुरिया कागज- शब्द संख्या: 3366, तिथि: 22 अक्टूबर 2020

917. बेटाक बिआह- शब्द संख्या: 3734, तिथि: 30 अक्टूबर 2020

918. जीवनमे जान आएल- शब्द संख्या: 3325, तिथि: 06 नवम्बर 2020

919. पोसलाक फल- शब्द संख्या: 3039, तिथि: 12 नवम्बर 2020

920. अन्तिम परीक्षा- शब्द संख्या: 2933, तिथि: 18 नवम्बर 2020

921. गाम आब ओ गाम रहल! - शब्द संख्या: 3038, तिथि: 24 नवम्बर 2020

922. जिनकर जीत तिनकर माला- शब्द सं.: 3025, तिथि: 30 नवम्बर 2020

923. नवका लोक : शब्द संख्या- 3215, तिथि: 06 दिसम्बर 2020

924. काजक उत्तर काज- शब्द संख्या: 3366, तिथि: 12 दिसम्बर 2020

925. घरक खर्च- शब्द संख्या: 3731, तिथि: 19 दिसम्बर 2020

926. समाजक भागे- शब्द संख्या: 3338, तिथि: 25 दिसम्बर 2020

927. बाबा हाथक कोदारि हल्लुक- शब्द संख्या: 4091, तिथि: 02 जनवरी 2021

928. परिवारक विघटन- शब्द संख्या: 2143, तिथि: 07 जनवरी 2021

929. हारल विचार- शब्द संख्या: 3657, तिथि: 14 जनवरी 2021

930. मोड़पर- एक : शब्द संख्या: 4422, तिथि: 25 जनवरी 2021

931. मोड़पर- दू : शब्द संख्या: 3734, तिथि: 01 फरवरी 2021

932. मोड़पर- तीन : शब्द संख्या: 3157, तिथि: 08 फरवरी 2021

933. मोड़पर- चारि : शब्द संख्या: 4844, तिथि: 19 फरवरी 2021

934. मोड़पर- पाँच : शब्द संख्या: 6382, तिथि: 06 मार्च 2021

935. मोड़पर- छह : शब्द संख्या: 2150, तिथि: 10 मार्च 2021

936. मोड़पर- सात : शब्द संख्या: 788, तिथि: 11 मार्च 2021

937. मोड़पर- आठ : शब्द संख्या: 927, तिथि: 12 मार्च 2021

938. मोड़पर- नअ : शब्द संख्या: 1127, तिथि: 14 मार्च 2021

939. मोड़पर- दस : शब्द संख्या: 585, तिथि: 15 मार्च 2021

940. मोड़पर- एगारह : शब्द संख्या: 265, तिथि: 16 मार्च 2021

941. संकल्प- एक : शब्द संख्या: 2988, तिथि: 25 मार्च 2021

942. संकल्प- दू : शब्द संख्या: 1903, तिथि: 29 मार्च 2021

943. संकल्प- तीन : शब्द संख्या: 3101, तिथि: 04 अप्रैल 2021

944. संकल्प- चारि : शब्द संख्या: 3197, तिथि: 10 अप्रैल 2021

945. संकल्प- पाँच : शब्द संख्या: 3202, तिथि: 17 अप्रैल 2021

946. संकल्प- छह : शब्द संख्या: 2026, तिथि: 21 अप्रैल 2021

947. संकल्प- सात : शब्द संख्या: 3139, तिथि: 29 अप्रैल 2021

948. संकल्प- आठ : शब्द संख्या: 2440, तिथि: 04 मई 2021

---

949. संकल्प- नअ : शब्द संख्या: 2368, तिथि: 08 मई 2021

950. संकल्प- दस : शब्द संख्या: 3977, तिथि: 15 मई 2021

951. अन्तिम क्षण- एक : शब्द संख्या: 2874, तिथि: 20 मई 2021

952. अन्तिम क्षण- दू : शब्द संख्या: 6126, तिथि: 04 जून 2021

953. अन्तिम क्षण- तीन : शब्द संख्या: 3669, तिथि: 12 जून 2021

954. अन्तिम क्षण- चारि : शब्द संख्या: 5817, तिथि: 24 जून 2021

955. अन्तिम क्षण- पाँच : शब्द संख्या: 4916, तिथि: 04 जुलाई 2021

956. परिवारे गजपटा गेल : शब्द संख्या: 1881, तिथि: 09 जुलाई 2021

957. समयक थपेड़मे- शब्द संख्या: 1798, तिथि: 14 जुलाई 2021

958. की सत्त की फुइस?- शब्द संख्या: 1793, तिथि: 17 जुलाई 2021

959. कुभाँज समयक भाँजमे- शब्द संख्या: 1671, तिथि: 21 जुलाई 2021

960. देखल गाम- शब्द संख्या: 1737, तिथि: 25 जुलाई 2021

961. अपना ले- शब्द संख्या: 1903, तिथि: 03 अगस्त 2021

962. तीन धक्का- शब्द संख्या: 1759, तिथि: 06 अगस्त 2021

963. अजीब खेल- शब्द संख्या: 2362, तिथि: 20 अगस्त 2021

964. नीक ठकान ठकेलौं- शब्द संख्या: 2798, तिथि: 25 अगस्त 2021

965. केकरो भरोस- शब्द संख्या: 2237, तिथि: 31 अगस्त 2021

966. बाड़ी भेल धनहर- शब्द संख्या: 1820, तिथि: 04 सितम्बर 2021

967. कुण्ठा- एक : शब्द संख्या: 2284, तिथि: 15 सितम्बर 2021

968. कुण्ठा- दू : शब्द संख्या: 2150, तिथि: 23 सितम्बर 2021

969. कुण्ठा- तीन : शब्द संख्या: 1324, तिथि: 29 सितम्बर 2021

970. कुण्ठा- चारि : शब्द संख्या: 4458, तिथि: 10 अक्टूबर 2021

971. कुण्ठा- पाँच : शब्द संख्या: 2673, तिथि: 18 अक्टूबर 2021

972. कुण्ठा- छह : शब्द संख्या: 2852, तिथि: 24 अक्टूबर 2021

973. कुण्ठा- सात : शब्द संख्या: 1901, तिथि: 18 अक्टूबर 2021

974. कुण्ठा- आठ : शब्द संख्या: 1948, तिथि: 01 नवम्बर 2021

975. कुण्ठा- नअ : शब्द संख्या: 1901, तिथि: 05 नवम्बर 2021

976. कुण्ठा- दस : शब्द संख्या: 2022, तिथि: 09 नवम्बर 2021

977. सुद्दढ़ जीवन- शब्द संख्या: 2587, तिथि: 14 नवम्बर 2021

978. सागवानक बागवानी- शब्द संख्या: 2369, तिथि: 05 दिसम्बर 2021

979. बिनु खुट्टाक गाए- शब्द संख्या: 2191, तिथि: 10 दिसम्बर 2021

980. जीवनक कर्म जीवनक मर्म- शब्द संख्या: 2893, तिथि: 16 दिसम्बर 2021

981. घरैया मूस- शब्द संख्या: 2791, तिथि: 22 दिसम्बर 2021

982. टुटि कऽ खसि पड़लैन- शब्द संख्या: 2182, तिथि: 29 दिसम्बर 2021

983. मृत्युसजियापर पड़ल विवेक बाबा- शब्द सं.: 2294, ति. : 03 जनवरी 2022

984. संचरण- शब्द संख्या: 2477, तिथि: 08 जनवरी 2022

985. जिनगीसँ प्रेम- शब्द संख्या: 2278, तिथि: 14 जनवरी 2022

986. परिवारे बगैद गेल- शब्द संख्या: 2299, तिथि: 21 फरवरी 2022

987. जिनगी पिछैड़ गेल- शब्द संख्या: 2859, तिथि: 02 मार्च 2022

988. श्रमहीन- शब्द संख्या: 3105, तिथि: 08 मार्च 2022

989. समुद्रलंघन- शब्द संख्या: 3274, तिथि: 21 मार्च 2022

990. परिवारक भार- शब्द संख्या: 2402, तिथि: 28 मार्च 2022

991. हीन-हीनाइत विवेक- शब्द संख्या: 2347, तिथि: 02 अप्रैल 2022

992. चेहराक निखार- शब्द संख्या: 2496, तिथि: 06 अप्रैल 2022

993. भरि मन काज- शब्द संख्या: 2281, तिथि: 12 अप्रैल 2022

994. विचारे मरि गेल- शब्द संख्या: 2302, तिथि: 21 अप्रैल 2022

995. मृत्युक भय मेटा गेल- शब्द संख्या: 2536, तिथि: 26 अप्रैल 2022

996. घरक बात- शब्द संख्या: 2686, तिथि: 01 मई (मजदूर दिवस) 2022

997. अप्पन दलान- शब्द संख्या: 2480, तिथि: 06 मई 2022

998. कंजूसपन- शब्द संख्या: 2589, तिथि: 11 मई 2022

999. आएल आशा चलि गेल- शब्द संख्या: 1478, तिथि: 15 मई 2022

1000. अकारण- शब्द संख्या: 1918, तिथि: 18 मई 2022

---

1001. अछोप- शब्द संख्या: 1590, तिथि: 21 मई 2022

1002. अप्पन बेइमानी- शब्द संख्या: 1560, तिथि: 24 मई 2022

1003. उनटन- शब्द संख्या: 1581, तिथि: 24 मई 2022

1004. अर्द्धांगिनी- शब्द संख्या: 1511, तिथि: 30 मई 2022

995. बहवाँइर- शब्द संख्या: 1538, तिथि: 04 जून 2022

1006. पाक मास्टर- शब्द संख्या: 1387, तिथि: 07 जून 2022

1007. साइंस टीचर- शब्द संख्या: 1301, तिथि: 10 जून 2022

1008. इज्जत लS लेलक- शब्द संख्या: 1367, तिथि: 13 जून 2022

1009. निसगर पान- शब्द संख्या: 1346, तिथि: 15 जून 2022

1010. विरोध- शब्द संख्या: 1452, तिथि: 19 जून 2022

1011. जीवन दान- शब्द संख्या: 1405, तिथि: 26 जून 2022

1012. बाग-बगिया- शब्द संख्या: 1272, तिथि: 30 जून 2022

1013. विश्वास पात्र- शब्द संख्या: 1374, तिथि: 02 जुलाई 2022

1014. विचारक टिटकारी- शब्द संख्या: 1335, तिथि: 05 जुलाई 2022

1015. लत- शब्द संख्या: 1375, तिथि: 08 जुलाई 2022

1016. जीवन खटाइमे पड़ि गेल- शब्द संख्या: 1220, तिथि: 11 जुलाई 2022

1017. कर्ज- शब्द संख्या: 1256, तिथि: 13 जुलाई 2022

1018. बहादुरी- शब्द संख्या: 1268, तिथि: 16 जुलाई 2022

1019. हमरो खगता छै- शब्द संख्या: 1178, तिथि: 20 जुलाई 2022

1020. सपना- शब्द संख्या: 1241, तिथि: 23 जुलाई 2022

1021. संगे-संग एलौं संगिया मरि गेल हम भुतिआइ छी- श.: 1303, 26.7.2022

1022. उवाणि- शब्द संख्या: 1264, तिथि: 29 जुलाई 2022

1023. विचारक प्रबलता- शब्द संख्या: 1268, तिथि: 01 अगस्त 2022

1024. अपन रचित रचना- शब्द संख्या: 1481, तिथि: 07 अगस्त 2022

1025. थाहल संगी- शब्द संख्या: 1331, तिथि: 10 अगस्त 2022

1026. आत्मबल- शब्द संख्या: 1267, तिथि: 13 अगस्त 2022

1027. विश्वासहीन- शब्द संख्या: 1405, तिथि: 16 अगस्त 2022

1028. बुलन्दी- शब्द संख्या: 1329, तिथि: 19 अगस्त 2022

1029. अप्पन साती- शब्द संख्या: 1287, तिथि: 22 अगस्त 2022

1030. खिच्चड़ि- शब्द संख्या: 1624, तिथि: 26 अगस्त 2022

1031. भंगतराह कवि- शब्द संख्या: 1364, तिथि: 01 सितम्बर 2022

1032. भंगतराह कवि- शब्द संख्या: 1357, तिथि: 01 सितम्बर 2022

1033. कनियेँ-मनियेँ पूँजी- शब्द संख्या: 1315, तिथि: शिक्षक दिवस 2022

1034. पुरुखढौह- शब्द संख्या: 1263, तिथि: 08 सितम्बर 2022

1035. सिमानक झगड़ा- शब्द संख्या: 1232, तिथि: 13 सितम्बर 2022

1036. जिनगी भार बनि गेल- शब्द संख्या: 1312, तिथि: 16 सितम्बर 2022

1037. परिवारक योग- शब्द संख्या: 1295, तिथि: 19 सितम्बर 2022

1038. मनुक्ख खौक- शब्द संख्या: 1183, तिथि: 25 सितम्बर 2022

1039. साहित्यकारक विवेक- शब्द संख्या: 1141, तिथि: 28 सितम्बर 2022

1040. भाषाक बेथा- शब्द संख्या: 1231, तिथि: 01 अक्टूबर 2022

1041. बुझबे ने केलिऐ- शब्द संख्या: 1227, तिथि: 05 अक्टूबर 2022

1042. जीवनक सम्बन्ध- शब्द संख्या: 1187, तिथि: 08 अक्टूबर 2022

1043. गैंचाह लोक- शब्द संख्या: 1113, तिथि: 11 अक्टूबर 2022

1044. जिनगीकेँ पटैक भगलौं- शब्द संख्या: 1258, तिथि: 14 अक्टूबर 2022

1045. अन्तिम आशा- शब्द संख्या: 1365, तिथि: 17 अक्टूबर 2022

1046. गजपट मारि- शब्द संख्या: 1327, तिथि: 20 अक्टूबर 2022

1047. कन्हजोड़- शब्द संख्या: 1346, तिथि: 23 अक्टूबर 2022

1048. अनहोनी- शब्द संख्या: 1308, तिथि: 26 अक्टूबर 2022

1049. होनी- शब्द संख्या: 1236, तिथि: 29 अक्टूबर 2022

1050. भवितव्य- शब्द संख्या: 1130, तिथि: 02 नवम्बर 2022

1051. ओसचट बीमारी : शब्द संख्या: 1260, तिथि: 05 नवम्बर 2022

1052. पुत्र परीक्षा : शब्द संख्या: 1286, तिथि: 09 नवम्बर 2022

1053. अप्पन मन बुझाएब- शब्द संख्या: 1294, तिथि: 12 नवम्बर 2022

1054. जड़ौर- शब्द संख्या: 1304, तिथि: 15 नवम्बर 2022

1055. अलोपित- शब्द संख्या: 1360, तिथि: 18 नवम्बर 2022

1046. कुमहरक बतिया- शब्द संख्या: 1240, तिथि: 21 नवम्बर 2022

1057. सिमानक आड़ि- शब्द संख्या: 1289, तिथि: 26 नवम्बर 2022

1058. नब बनक नब फल- शब्द संख्या: 1412, तिथि: 30 नवम्बर 2022

1059. सुमारक- शब्द संख्या: 1246, तिथि: 04 दिसम्बर 2022

1060. अन्तिम भेँट- शब्द संख्या: 1277, तिथि: 08 दिसम्बर 2022

1061. अनहरिया- शब्द संख्या: 1356, तिथि: 12 दिसम्बर 2022

1062. निरन्तर- शब्द संख्या: 3025, तिथि: 21 दिसम्बर 2022

1063. शॉर्टकट रास्ता- शब्द संख्या: 1620, तिथि: 26 दिसम्बर 2022

1064. अपेछा टुटि गेल- शब्द संख्या: 1739, तिथि: 30 दिसम्बर 2022

1065. सुनयना बेटी : 01- शब्द संख्या: 1728, तिथि: 05 जनवरी 2023

1066. सुनयना बेटी : 02- शब्द संख्या: 3540, तिथि: 14 जनवरी 2023

1067. सुनयना बेटी : 03- शब्द संख्या: 3722, तिथि: 25 जनवरी 2023

1068. सुनयना बेटी : 04- शब्द संख्या: 1987, तिथि: 30 जनवरी 2023

1069. सुनयना बेटी : 05- शब्द संख्या: 3802, तिथि: 06 फरवरी 2023

1070. सुनयना बेटी : 06- शब्द संख्या: 1821, तिथि: 10 फरवरी 2023

1071. सुनयना बेटी : 07- शब्द संख्या: 925, तिथि: 12 फरवरी 2023

1072. सुनयना बेटी : 08- शब्द संख्या: 2999, तिथि: 18 फरवरी 2023

1073. सुनयना बेटी : 19- शब्द संख्या: 1926, तिथि: 22 फरवरी 2023

1074. सुनयना बेटी : 10- शब्द संख्या: 1953, तिथि: 26 फरवरी 2023

1075. आब नइ जीब- शब्द संख्या: 2097, तिथि: 2 मार्च 2023

1076. सेहन्ता सेहन्ते रहि गेल- शब्द संख्या: 2013, तिथि: 06 मार्च 2023

1077. धुरफन्ना लोक- शब्द संख्या: 1891, तिथि: 10 मार्च 2023

1078. घरदेखी- शब्द संख्या: 1846, तिथि: 14 मार्च 2023

1079. बासभूमि- शब्द संख्या: 2639, तिथि: 31 मार्च 2023

1080. इज्जत पर पड़ि गेल- शब्द संख्या: 2698, तिथि: 07 अप्रैल 2023

1081. अहीं जीतलौं- शब्द संख्या: 2884, तिथि: 13 अप्रैल 2023

1082. गामसँ गाए उपैट गेल- शब्द संख्या: 2454, तिथि: 20 अप्रैल 2023

1083. भारक बड़बड़िया- शब्द संख्या: 1727, तिथि: 24 अप्रैल 2023

1084. रूपैँ बदैल गेल- शब्द संख्या: 1736, तिथि: 28 अप्रैल 2023

1085. वंशक धर्म- शब्द संख्या: 1881, तिथि: 02 मई 2023

1086. उपराग- शब्द संख्या: 1358, तिथि: 05 मई 2023

1087. केकरा भगाउ आ केकरा बसाउ- शब्द संख्या: 1390, तिथि: 08 मई 2023

1088. खीरा लत्तीमे रोजगार- शब्द संख्या: 1377, तिथि: 11 मई 2023

1089. टकुआटान- शब्द संख्या: 2302, तिथि: 19 मई 2023

1090. पोस्टमार्टम- शब्द संख्या: 1852, तिथि: 23 मई 2023

1091. ऐ सालक नाह बुड़ि गेल- शब्द संख्या: 1761, तिथि: 27 मई 2023

1092. सामंजस्य- शब्द संख्या: 1868, तिथि: 01 जून 2023

1093. महींसवारक गाम- शब्द संख्या: 1337, तिथि: 04 जून 2023

1094. दसअना छहअना- शब्द संख्या: 1243, तिथि: 07 जून 2023

1095. वाह रे हम- शब्द संख्या: 1291, तिथि: 10 जून 2023

1096. एक जूम तमाकुल- शब्द संख्या: 1290, तिथि: 13 जून 2023

1097. चपरासी गाम- शब्द संख्या: 1201, तिथि: 17 जून 2023

1098. बनरफाँस- शब्द संख्या: 1279, तिथि: 19 जून 2023

1099. हँस्सा ठक- शब्द संख्या: 1889, तिथि: 26 जून 2023

1100. विश्वासू मन- शब्द संख्या: 1724, तिथि: 30 जून 2023

1101. चोरनी पिल्ली- शब्द संख्या: 1883, तिथि: 04 जुलाई 2023

1102. गामक जमीने पथरा गेल- शब्द संख्या: 1837, तिथि: 08 जुलाई 2023

1103. एकलव्यपन- शब्द संख्या: 2087, तिथि: 14 जुलाई 2023

1104. केलहा साफल- शब्द संख्या: 2102, तिथि: 19 जुलाई 2023

---

1105. त्रिशुलपर लटकल गाम- शब्द संख्या: 2007, तिथि: 23 जुलाई 2023
1106. त्रिशंकु गाम- शब्द संख्या: 2151, तिथि: 28 जुलाई 2023
1107. चारिम कनियाँ- शब्द संख्या: 1995, तिथि: 01 अगस्त 2023
1108. वंश नाश- शब्द संख्या: 1988, तिथि: 06 अगस्त 2023
1109. लोक लाज- शब्द संख्या: 1781, तिथि : 10 अगस्त 2023
1110. धानक कमठौन- शब्द संख्या: 1580, तिथि : 30 अगस्त 2023
1111. एक चुटकी खुशी- शब्द संख्या: 2053, तिथि : 02 सितम्बर 2023
1112. अनका सिर- शब्द संख्या: 1801, तिथि: शिक्षक दिसव 2023
1113. समयक फेड़- शब्द संख्या: 1531, तिथि: 08 सितम्बर 2023
1114. कोढ़ि- शब्द संख्या: 1511, तिथि: 11 सितम्बर 2023
1115. मुहाँ-ठुट्ठी- शब्द संख्या: 1167, तिथि: 13 सितम्बर 2023
1116. औनाकऽ मरए लगलौं- शब्द संख्या: 1060, तिथि: 13 सितम्बर 2023
1117. जेहेन आँखि तेहेन पाँखि- शब्द संख्या: 1077, तिथि: 17 सितम्बर 2023
1118. चौरचनक केरा- शब्द संख्या: 1185, तिथि: 19 सितम्बर 2023
1119. सुख-दुख- शब्द संख्या: 1708, तिथि: 04 अक्टूबर 2023
1120. दुख-सुख- शब्द संख्या: 1629, तिथि: 07 अक्टूबर 2023
1121. जीवन की आ जीवनक उद्देश्य की- श. सं.: 1571, ति.: 10 अक्टूबर 2023
1122. अंधविश्वास- शब्द संख्या: 1509, तिथि: 13 अक्टूबर 2023
1123. बखेरिया लोक- शब्द संख्या: 1528, तिथि: 16 अक्टूबर 2023
1124. नव जीवन- शब्द संख्या: 1620, तिथि: 19 अक्टूबर 2023
1125. प्रीति- शब्द संख्या: 1610, तिथि: 19 अक्टूबर 2023
1126. पुरुषार्थ- शब्द संख्या: 1667, तिथि: 25 अक्टूबर 2023
1127. मन टँगि गेल- शब्द संख्या: 1702, तिथि: 28 अक्टूबर 2023
1128. नियति आ पुरुषार्थ- शब्द संख्या: 1714, तिथि: 31 अक्टूबर 2023
1129. जे ननू से गर्भहि ननू- शब्द संख्या: 1639, तिथि: 03 नवम्बर 2023
1130. पुरुखक डीह- शब्द संख्या: 1666, तिथि: 06 नवम्बर 2023

1131. पाशापर- शब्द संख्या: 1707, तिथि: 09 नवम्बर 2023

1132. संचरण- शब्द संख्या: 1743, तिथि: 14 नवम्बर 2023

1133. कंजूस- शब्द संख्या: 1636, तिथि: 17 नवम्बर 2023

1134. बाबाक पौती- शब्द संख्या: 1640, तिथि: 20 नवम्बर 2023

1135. भँसिया गेलौं- शब्द संख्या: 1614, तिथि: 23 नवम्बर 2023

1136. उबारि देलौं- शब्द संख्या: 1645, तिथि: 28 नवम्बर 2023

1137. श्रद्धा- शब्द संख्या: 1619, तिथि: 01 दिसम्बर 2023

1138. केकरोपर आश्रित- शब्द संख्या: 1641, तिथि: 04 दिसम्बर 2023

1139. समैया लुच्चा- जारी...

❑❑❑

❑❑

❑

# Notes